 POGODI ŽIVOTINJU

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1. |  |  |  |  |  | |  | | |
| 2. |  |  |  |  |
| 3. |  |  |  |  |  |
| 4. |  |  |  |  |  | |  |
| 5. |  |  |  |  |  | |
| 6. |  |  |  |  |  | |  | |
| 7. |  |  |  |  |  |
| 8. |  |  |  |  |  | |  | |  | |  |  |  |

Katarina Čolak, 6.c

1. Nema noge, brzo bježi, od nje svaki stvor se ježi.

2. Ide brže, pa još brže, kad se javlja on-zarže.

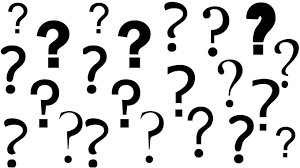
3. Po zemlji skače, po vodi pliva, a cijele zime dugi san sniva.

4. Ima brke, djed nije. Mlijeko pije dijete nije.

5. Zujalica, vrijednica, kuća joj je košnica.

6. Čudne šare, divne boje, na krilima mojim stoje.

7. Velike ima oči, lovi rado baš po noći, poslije svakog dobrog lova, spavat ide…

8. U polju leti, sjajna iskra zrakom leti, u tamnoj noći svijetli.